**Title**: Demand to include the casteism in India for the discussion in the United Nation's Conference on Casteism to be held at Durban, South Africa.

**श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं और एक मांग कर रहा हूं कि दक्षिण अफ्रीका के डरबन शहर में 31 अगस्त से 7 सितम्बर तक युनाइटेड नेशन्स की वर्ल्ड कान्फ्रेंस हो रही है। उसका विाय "वर्ण और वर्ण-भेद" है। हमारी सरकार ने उस कान्फ्रेंस में अपना प्रतिनिधि भेजना तय किया है और यह निर्णय लिया है कि अपने देश में जो कास्टिज्म है उसका उल्लेख नहीं करेंगे। यह अपने देश के लिए अच्छी बात नहीं है क्योंकि अपने देश में चतुर्वर्ण व्यवस्था है और कास्टिज्म है। जब से संविधान स्वीकार किया गया है, तब से कास्टिज्म को खत्म करने, उसे समाप्त करने का प्रयास जारी है, मगर आज तक हम अपने देश में कास्टिज्म को खत्म नहीं कर पाए हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्रधान मंत्री जी से निवेदन है कि अपने देश के कास्टिज्म को भी इस कान्फ्रेंस में चर्चा करने के वियों में इन्क्लूड करने की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं होगा, तो हमारे देश के शेड्यूल्ड कास्ट्स और शेड्यूल्ड ट्राइब्स पर बड़ा अन्याय होगा। यदि हम लेबर के विाय में या वीमेन के विाय में अपने देश की भूमिका को रखते हैं, तो वर्ण और वर्ण-भेद विाय पर हो रही कान्फ्रेंस में कास्टिज्म के इश्यू पर भी विचार होना चाहिए। अपने देश के कास्टिज्म को उससे अलग रखना, अच्छी बात नहीं है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस विाय को उस कान्फ्रेंस में अपने देश को प्रस्तुत करना चाहिए। इतना ही निवेदन करके मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।